राज्यासभा

अतारांकित प्रश्निसंख्याे454

27 अप्रैल, 2016 को उत्त र के लिए

इस्पात क्षेत्र के लिए पैकेज

454. श्री ए. विलियम रबि बर्नार्ड:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि भारतीय इस्पात निर्माता सस्ते इस्पात के बढ़ते हुए आयात और कम वैश्विक मांग के कारण संघर्ष कर रहे हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या दस शीर्ष इस्पात फर्मों में से 9 फर्म अपने एक या अधिक ऋण लिप्त पर चूक कर रही है और इन फर्मों का कुल ऋण 1.54 ट्रिलियन अथवा कुल ऋण का 41 प्रतिशत है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या इस्पात और वित्त मंत्रालय इस्पात क्षेत्र के लिए एक पैकेज पर कार्य कर रहे हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तंर

इस्पाबत और खान राज्य् मंत्री (श्री विष्णुम देव साय)

(क): जी हॉ। वैश्विक इस्पाैत उद्योग अधिक मंदी के दौर से गुजर रहा है। मांग में कमी और विश्ववस्त)र पर अत्यधधिक क्षमता की विद्यमानता के परिणामस्वतरूप इस्पादत की अंतर्राष्ट्री□य कीमतें बहुत कम हो गई है। इस्पा:त के प्रमुख उत्पायदक देश कीमत निर्धारण की एक लूट-मार रणनीति को अपना रहे है और भारत जैसे बाजारों में पकड़ बैठाने के लिए स्पतष्टत रूप से अपनी उत्पा दन लागत से कम कीमतों पर निर्यात कर रहे है। इसके परिणामस्वेरूप भारतीय इस्पा त कंपनियों की लाभप्रदता में गिरावट आई है।

(ख) और (ग): इस्पाीत एक नियंत्रण मुक्त क्षेत्र होने के नाते मंत्रालय में इस प्रकार की सूचनायें नहीं रखी जाती है।

(घ): कुछ घरेलू इस्पा त निर्माता संघों और अन्यं हित धारकों ने इस्पा त क्षेत्र को सहायता प्रदान करने के लिए एक व्यारपक उपयुक्त पैकेज तैयार किये जाने हेतु अभ्याधवेदन दिया है। ये अभ्याावेदन वित्तीय सेवाएं विभाग को विचारार्थ अग्रेषित कर दिये गये है।

***